

भारत सरकार
भारी उद्योग मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2113
14 मार्च, 2023 को उत्तर के लिए नियत

“इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना”

2113. श्री बृजभूषण शरण सिंह:
श्री संगम लाल गुप्ता:
डॉ. रमापति राम त्रिपाठी:
श्री पी.पी. चौधरी:
श्री प्रताप चंद्र षड्गुः

क्या भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का तीव्र अंगीकरण एवं विनिर्माण (फेम II) के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के संबंध में कोई निर्धारित लक्ष्य रखा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
- (ग) उत्तर प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा सहित इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के उत्पादन के लिए विनिर्माताओं को दी जाने वाली राजसहायता का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या सरकार की ग्रामीण क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
- (ङ) क्या सरकार वर्ष 2019-2023 के दौरान स्थापित किए गए चार्जिंग स्टेशनों के आंकड़े उपलब्ध करा सकती है; और
- (च) यदि हां, तो उत्तर प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा सहित तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री
(श्री कृष्ण पाल गुर्जर)

(क) और (ख): भारी उद्योग मंत्रालय ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का तीव्र अंगीकरण एवं विनिर्माण (फेम इंडिया). चरण-II नामक स्कीम तैयार की है जो 1 अप्रैल, 2019 से पांच वर्ष की अवधि के लिए है और जिसके लिए कुल 10,000 करोड़ रुपए की बजटीय सहायता निर्धारित है। यह चरण मुख्य रूप से सार्वजनिक और साझा परिवहन के विद्युतीकरण के लिए सहायता प्रदान करने पर

केंद्रित है और इसका उद्देश्य 7090 ई-बसें, 5 लाख ई-तिपहिया वाहनों, 55000 ई-चौपहिया यात्री कारों और 10 लाख ई-दुपहिया वाहनों के लिए मांग प्रोत्साहन के माध्यम से सहायता प्रदान करना है। इसके अलावा, इस स्कीम के तहत चार्जिंग अवसंरचना के निर्माण हेतु भी सहायता प्रदान की जाती है।

15.02.2023 की स्थिति के अनुसार, फेम इंडिया स्कीम, चरण-II के तहत सहायता प्रदान किए जाने के लिए लक्षित वाहनों और वास्तविक वाहन बिक्री का श्रेणी-वार विवरण निम्नानुसार है:

श्रेणी	सहायता प्रदान किए जाने वाले वाहन (संख्या)	सहायता प्राप्त वाहनों की वास्तविक संख्या
ई-दुपहिया	10,00,000	7,92,529
ई-तिपहिया	5,00,000	81,172
ई-चौपहिया	55,000	6,831
ई-बसें	7,090	2,435
कुल	15,62,090	8,82,967

मंत्रालय ने 25 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 68 शहरों में 2,877 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों को मंजूरी दी है। इसके अलावा, फेम इंडिया स्कीम के चरण-II के तहत 9 एक्सप्रेसवे और 16 राजमार्गों पर 1576 चार्जिंग स्टेशनों को भी मंजूरी दी गई है।

(ग): भारी उद्योग मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीदारों और निर्माताओं को निम्नलिखित तीन स्कीमों के माध्यम से आर्थिक प्रोत्साहन दिया है:

- भारत में इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड वाहनों का तीव्र अंगीकरण एवं विनिर्माण (फेम इंडिया):** सरकार ने शुरू में फेम इंडिया स्कीम के चरण-II को 1 अप्रैल, 2019 से पांच वर्ष की अवधि के लिए कुल 10,000 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता से अधिसूचित किया है। फेम-इंडिया स्कीम चरण-II के तहत, इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीदारों को इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीद मूल्य में अग्रिम कटौती के रूप में प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। यह प्रोत्साहन बैटरी क्षमता से जुड़ा है यानी ई-तिपहिया और ई-चौपहिया वाहनों के लिए वाहन लागत की 20% सीमा के साथ 10,000 रुपये/किलोवाट घंटा। इसके अलावा, 11 जून, 2021 से वाहन लागत सीमा को 20% से बढ़ाकर 40% करते हुए ई-दुपहिया वाहनों के लिए प्रोत्साहन/सब्सिडी को 10,000 रुपये/किलोवाट घंटा से बढ़ाकर 15,000 रुपये/किलोवाट घंटा कर दिया गया है।

साथ ही, आरसी (पंजीकरण प्रमाणपत्र) के संबंध में, वाहन-4 केंद्रीकृत डेटाबेस में उपलब्ध सूचना के आधार पर 09.03.2023 की स्थिति के अनुसार इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या और राज्य-वार कुल वाहनों का समानुपात **अनुबंध-I** में है।

- ii. **ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए उत्पादन-सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम:** वाहनों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 25,938 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय वाली ऑटोमोटिव क्षेत्र संबंधी पीएलआई स्कीम को 15 सितंबर, 2021 को मंजूरी दी। इलेक्ट्रिक वाहनों को पीएलआई स्कीम के दायरे में शामिल किया गया है।
- iii. **उन्नत रसायन सेल (एसीसी) संबंधी पीएलआई स्कीम :** सरकार ने देश में एसीसी के निर्माण के लिए 18,100 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय वाली पीएलआई स्कीम को 12 मई, 2021 को मंजूरी दी। इस स्कीम में देश में 30 गीगावाट घंटे के लिए एक प्रतिस्पर्धी एसीसी बैटरी विनिर्माण व्यवस्था स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। इसके अतिरिक्त, इस स्कीम के अंतर्गत 5 गीगावाट घंटे की उत्कृष्ट एसीसी प्रौद्योगिकियाँ भी शामिल हैं।

(घ): फेम-इंडिया स्कीम, चरण-II को देश के ग्रामीण क्षेत्रों सहित अखिल भारतीय स्तर पर लागू किया जा रहा है।

(ङ) और (च): जी हां। विद्युत मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों का उत्तर प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा सहित राज्यवार विवरण **अनुबंध-II** में है।

09-03-2022 की स्थिति के अनुसार इलेक्ट्रिक और कुल वाहन संख्या का राज्य-वार विवरण

क्र. सं.	राज्य का नाम	इलेक्ट्रिक वाहन गणना श्रेणी-वार			कुल इलेक्ट्रिक वाहन गणना	कुल वाहन संख्या	अनुपात
		दुपहिया	तिपहिया	चौपहिया और उससे अधिक			
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	18	30	134	182	1,58,364	0.001149251
2	आंध्र प्रदेश	46,486	1,252	3,866	51,604	1,59,67,937	0.003231726
3	अरुणाचल प्रदेश	15	0	9	24	2,90,893	8.25046ई-05
4	असम	2,911	91,994	292	95,197	51,82,509	0.018368902
5	बिहार	16,698	1,12,101	379	1,29,178	1,12,44,838	0.01148776
6	चंडीगढ़	1,599	3,304	646	5,549	8,25,228	0.006724202
7	छत्तीसगढ़	26,358	12,176	2,139	40,673	72,70,496	0.005594254
8	दिल्ली	54,530	1,37,663	11,395	2,03,588	1,40,15,426	0.014525994
9	गोवा	7,543	75	1,118	8,736	11,87,482	0.007356743
10	गुजरात	90,556	3,544	5,494	99,594	2,22,59,121	0.004474301
11	हरियाणा	20,382	34,340	1,609	56,331	1,18,58,642	0.004750207
12	हिमाचल प्रदेश	1,449	188	243	1,880	21,30,094	0.00088259
13	जम्मू और कश्मीर	3,773	3,213	130	7,116	19,89,038	0.003577609
14	झारखंड	10,895	17,129	439	28,463	68,69,909	0.004143141
15	कर्नाटक	1,62,362	8,263	13,243	1,83,868	2,93,96,333	0.006254794
16	केरल	54,038	4,826	7,312	66,176	1,65,81,524	0.003990948
17	लद्दाख	27	0	20	47	41,414	0.001134882
18	मध्य प्रदेश	38,367	1,895	3,104	43,366	1,83,16,065	0.002367648
19	महाराष्ट्र	1,92,296	13,941	20,838	2,27,075	3,36,75,562	0.00674302
20	मणिपुर	227	815	14	1,056	5,43,906	0.001941512
21	मेघालय	45	14	24	83	5,01,311	0.000165566
22	मिजोरम	67	1	8	76	3,44,543	0.000220582
23	नागालैंड	50	0	10	60	4,06,400	0.000147638
24	ओडिशा	40,495	4,508	747	45,750	1,04,29,152	0.004386742
25	पुदुचेरी	3,178	69	149	3,396	13,12,495	0.002587438
26	पंजाब	14,867	10,598	259	25,724	1,29,62,940	0.001984426
27	राजस्थान	85,575	55,167	2,749	1,43,491	1,84,49,577	0.007777468
28	सिक्किम	1	0	20	21	1,05,250	0.000199525
29	तमिलनाडु	1,16,061	7,372	6,799	1,30,232	3,10,89,231	0.004188975
30	त्रिपुरा	286	11,933	20	12,239	7,00,601	0.017469287
31	दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण और दीव	179	57	67	303	3,66,993	0.000825629

32	उत्तर प्रदेश	45,130	4,18,794	1,508	4,65,432	4,30,19,281	0.010819149	
33	उत्तराखंड	9,266	32,424	623	42,313	35,96,994	0.011763434	
34	पश्चिम बंगाल	12,232	43,253	2,065	57,550	1,48,99,674	0.003862501	
कुल योग		10,57,962	10,30,93	9	87,472	21,76,373	33,79,89,223	0.006439179

डिसक्लेमर:

1. आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश वाहन पर माइग्रेट करने की प्रक्रिया में हैं और उपर्युक्त डेटा केवल आंशिक और वाहन डेटाबेस में उपलब्ध अनुसार है।
- 2 इसके अलावा, तेलंगाना और लक्षद्वीप के आंकड़े ऑनलाइन वाहन डेटाबेस में उपलब्ध नहीं हैं और इसलिए उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

राज्यवार चालू सार्वजनिक इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन (पीसीएस)

क्र.सं.	राज्य का नाम	चालू सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की संख्या
1	अंडमान और निकोबार	3
2	आंध्र प्रदेश	222
3	अरुणाचल प्रदेश	9
4	असम	48
5	बिहार	83
6	चंडीगढ़	6
7	छत्तीसगढ़	46
8	दिल्ली	1845
9	गोवा	44
10	गुजरात	195
11	हरयाणा	232
12	हिमाचल प्रदेश	27
13	जम्मू और कश्मीर	24
14	झारखंड	60
15	कर्नाटक	704
16	केरल	192
17	लक्षद्वीप	1
18	मध्य प्रदेश	174
19	महाराष्ट्र	660
20	मणिपुर	16
21	मेघालय	19
22	नगालैंड	6
23	ओडिशा	117
24	पुदुचेरी	4
25	पंजाब	126
26	राजस्थान	254
27	सिक्किम	1
28	तमिलनाडु	441
29	तेलंगाना	365
30	त्रिपुरा	18
31	दादर और नगर हवेली तथा दमण और दीव	1
32	उत्तर प्रदेश	406
33	उत्तराखंड	48
34	पश्चिम बंगाल	189
	कुल	6586